

स्वाभावात् उत्पादयामि यत्र मंदव वा हि विरहे न मन्त्रया मन्त्र
मत्वा न् विरहे च विज्ञात न वा हि न त्रिका वृद्धा र वृथं जा
यः दमना सर्वपापानां नाना भादना कृता प्रवा संज
विद्यामि ज्योतिर्मात्रं नाना भादना कृता प्रवा संज
न प क्रिया वंद सा मन्त्रा वृद्धा वृथं जा यः दमना सर्वपापानां

संस्पृशं दुःखं ४

नमो नमो मयि नमो नमो ॥ धनया वदम नयाय ॥ कर्मो जनि बुद्ध
खेरिग, पनियस्य पुनः पुनः नृत्ययै मथयै ननयु मिम दन्तना
यका नरुदकं बुद्धनाथी नकलवा पुनमया यथ गतथा गता
या नो वद हानन वद वदवा जानंति पब्धं मिम क ॥ लम
ज्जातिक र्यनिकायं र्यब्धरावै जवद दम जया धर्म मया सति

तत्कू सल मूलं ॥ १ ॥ तत्क

अथ नित्यमनूकवाप्यां सम्यक्वाधा गथा दृष्ट्या विनामिगं यदि
नामया मिगथाममानयन समोधिकोर्ल लोकत्यदृष्टव्यं सत्त्वोद
यच दृष्टव्यं कर्तव्यं सदा तु स भक्तिरमपुकागं च अथेवहनादृष्ट
शुगानूस्मति मागगाकापधक्क था यो गमुपागगावा सचप्यका
र्ल जगतादिगाय कथ्या लज्जं सत्त्वर्ल दिगाय ॥ अनुमादना ॥

॥ॐ स्वरावसूक्तं सर्वधर्माणां स्वरावसूक्तं इदं गूढं नाना ज्ञानं वज्रं
रावात्मका इदं ॥ धनं आपयाय ॥ यधर्माया ॥ यधर्मा इदं पुण्यं वाह
तुमं वागथागतं इदं वदं नवाक्रयानि ब्रह्मचरं वादिमहाधर्मं ॥
जाकिधमनं कुर्या ॥ ॥ धनं वलिहलं वनया ॥ ॐ इति ॥ आचमनं प्र
निरुत्वा हा ॥ न गार्थं कालं न वायुमधुलं न कालं न इति स धुलं न गमा
प न जागती हे जागमुद

न म आका न जागं सू मां मो पम मां जातं न प्र
पनि मूला कन च उिका पत्रि सिता प द्वा र्ता ज र्ता न ग र का दि प त्रि प
त्रि र्ता न ग व लि वुं जां जि र्वं दू लो मां प्रां गों वं का ल जा त प क्ष म ग व
अ प द्धि र्यं नृ य नि ष्ठा य ४ थ म व लि ह लं व न य ॥ ॥ ॐ इति ॥ आदि
ला क पा ल थ पा या च म धी सा क्र म धी यु नि रुत्वा हा ॥ ॥ व लि ह ला
न वा य ॥ ॐ इति ॥ य हा हा ॥ ॐ य मा य हा हा ॥ ॐ व द्धा य हा हा ॥ ॐ

कवलाय स्वाहा ॥ ॐ जग्लेय स्वाहा ॥ ॐ मेराय स्वाहा ॥ ॐ वायव्य स्वाहा ॥
 ॥ ॐ कृष्णनाथ स्वाहा ॥ ॐ उद्धवुक्तन स्वाहा ॥ ॐ जडवृत्तित्व स्वाहा ॥
 ॐ सूर्याग्रहाधिप न स्वाहा ॥ ॐ चन्द्राग्रहाधिप न स्वाहा ॥ ॐ नागलेश्वर
 स्वाहा ॥ ॐ जक्रत्य स्वाहा ॥ ॐ जसूतल्य स्वाहा ॥ ॐ सर्वदिग् वी दिग् लोक
 पालत्य स्वाहा ॥ पञ्चपदान पूजा घाय ॥ ॐ वज्रगद स्वाहा ॥ इत्यादि

ॐ

x ॥ धनलाभकाय ॥ ॐ वज्रनाभ दं ॥ ॐ वज्रमालिनी ॥ ॐ वज्रगि
 नद्री ॥ ॐ वज्रनित्य ॥ ॐ वज्रपूर्वा दं ॥ ॐ वज्रसूचि ॥ ॐ वज्रावला
 किनद्री ॥ ॐ वज्रवज्र ॥ ॐ नहम्वज्र ॥ ॐ यश्वज्र ॥ ॐ धर्म
 दानुगुल्य ॥ ॥ वज्रकार्यपूयक ॥ ॐ नकिज दं ॥ ॐ वज्रधाम
 हाविना लोकपाला महद्वि का कालयनु दहा को द विघ्न देना वेगम

[illegible]

इत्यादा ॥ ॥ धनवलि सखावना ॥ ॐ रगवान्छी वल्य चनर काव
कं धव जपूषं प्रनिकु स्यादा ॥ लंखनय ॥ ॐ वज्ररम्य धुल्य सुव
नूजल धाव स्यादा ॥ विर्गनिक ॥ ॐ वज्रगद्गा वज्रनिल कै रव न स्यादा
॥ ऊजमका नय ॥ ॐ वस्ताने गम नमूजा मद्य स मूद्रुल न स मय दूज
रध प्रविस्तं वज्रवा सस्य स्यादा ॥ धूतय ॥ ॐ रगवान्छी जमूक विद्याना

जकुं मिश्रामि न नाथ महुल क नृधन म वीरिष्यानां म नृकं पायः
 श कमाकं पूजनाय व त गं मय र ग व न प्रसा दं कर्तुं म नृद न निर्याग
 नृपा स्वा निधिं वज्र धृ पं पु निरु स्वा हा ॥ स्वां क्त य ॥ ॐ समस्त स्वस्ति व
 कृत्वाः त्यादि ५ ॥ हल जा क्त य ॥ ॐ वज्र ने व द्य स्वा य र र्य स्वा हा ॥ सक्त
 व क्त य ॥ ॐ समया वा व वज्र ने वि द्य स्वा हा ॥ धा ला क्त य ॥ ॐ न भा र ग

वल्य वि न वि न ४ ध ना य द्दं रु द् स्वा हा ॥ म म वि य ॥ ॐ नृ ग्रा वि ना स्मा व द्
 न त्र का स्वा न ना द्वि पु नि या द न म भा रु हा ला क्त ल दि य मा ला ल व य नि
 नृ वज्र दि य निर्या न या मि ॐ ५ ॥ ४ द् वज्र दि वं पु निरु स्वा हा ॥ मा यी पू ज
 या य म य ध म्मा रु रु य रा वा रु व ज्ञ न य मि ध म रु रु य म रु रु द्वा नि ना ध न व वा दि म रु रु
 व र्ण म रु रु क म्मा रु का ल म रु रु सर्व ध मा ना मा र्ग न र्थ न स्वा ॐ ५ ॥ ४ द् रु द् म स्वा हा ॥ ५ ॥

ॐ ज माघ सिद्धय स्वाहा ॥ धन सिद्धि मरुः ॥ य स पः पः पः दा स या यः धन वः
 सु विमदानं धियः धनं सिद्धि मरुः ॥ धियः माल क या मः सिद्धि ल म यः ॥ वाकः
 ॥ ॐ उद्या गा वाः ग व च क गाः अनिल धू गाः विद्वन्ना रा भव वा द ऽ भव
 लू विषयाः गे ला क मे गाः पो ख दा वाः प न गाः व ध ह्ना ना न वा सा विला
 विष लू वाः खान न्द स दा रु नाः रा वा रा व दि वा नू नाः विवृ दि कां वा वा दी

५०१६

कां पा तु वः ॥ निर्मा ना वि दिनः सम स लग गाः कार्या दि व धू वि ना वृ द्ध
 कंद व द द गि जाः व क ग या र द निः शान द्रा व लि गाः द्ध ग म ह्द ल तु वः वा
 वा दि कां व त सि ॥ सक रि नं त य धू न का ऽ म धु ल पा ग म त यः गु नू नं
 मि त कः थ का लिं गिय ॥ ॥ धन थ का लिं म धु ल धि ल क खान वा य क
 ॥ वा क ॥ ॐ ह म ध म न व यं न म ॥ ॐ डी म ध म न व यं न म ॥ ॐ ह ह म ध म

मंत्रवर्तनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 वहायनपूजायाय॥ ॥धनजाकिलंयसथयंमधुलसहायकःवक
 ॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 काय॥मधुलधयक॥धर्मलंयवलिधय॥लंखवलिधय॥॥धनं
 लिमरुनिरुयक॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥

॥समाधि॥

य॥धनंलिःप्रिसमाधियाय॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 नमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 ममायुःज्ञानसहस्रः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥
 नःप्रिकाः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥ॐॐॐर्वविदहायनमः॥

ॐॐॐर्वविदहायनमः॥

वन्धनाज्ञा का कल्पय कल्पय न्याया कल्याण नमः सदाः॥ सुटियां काल
 नः शं न्य गां रा वयम् ॥ श्री का नमः दय क्लानं रुका वा दपु पुं न्य न का
 वं मू य रा सार्वभौमं । कः का वन क विरुक्ति मं । उं तर्ध सत्वा ध वन रुपु
 शुक्र व ह्रीं दि उ ज स म्बलः मात् मा नरा वयम् ॥ धन रुक् स धना ॥
 म दनू क न षा धन ॥ द त्रि द रुक् आ का व द सूर्य म धु ल ॥ वाम रुक् अरु

ल घ व द म धु ल ॥ उं रु ८ न मः ८ किं स्वा हा ॥ रुं वा ष ट रुं रुं ८ रुं रुं रुं रुं ॥
 जं ग षा धन ॥ उं वं हाँ यों दौ माँ रुं रुं रुं रुं रुं ॥ ॥ व य च न्वा वा द
 न ॥ उं रुं स्वा हा व जं ॥ व ज का य ॥ उं रुं स्वा हा च धु ॥ य रु का य ॥ उं व ज
 स ल स ग्रा हा न व ज न ल म न रु न ८ व ज ध म ग म यि नी व ज क म रु न
 रु व ॥ घ रु ध म् व ज प य क ॥ उं रु कि ज रुं ८ ॥ धा ल ३ ॥ ॥ व ज च रु ज

गोबुध्न्यर्थेन किं

रथे वज्रसत्त्वसर्वतथागतः। एतन्मन्त्रवशात् वज्रपादात्तद्वयं।
द्वयवज्रं ध्यानयात्रिंशद्वा वज्रं वज्रपादात्तद्वयं। एतन्मन्त्रवशात्
जीसर्वायां तु। यद्विधीः। अग्नयः। गनी। एतपथा तु। मन्त्रं। न। न। न।
गुनागकर्षणी। वायुध्नुः। यद्वा। एतन्मन्त्रवशात्। एतन्मन्त्रवशात्।
ही। एतन्मन्त्रवशात्। एतन्मन्त्रवशात्। एतन्मन्त्रवशात्। एतन्मन्त्रवशात्।

दूकालपलिहामनः रगवनंकवृवर्धः षट्पदं प्रथमं उजास्याः व
जवजयधधनः द्वितियास्याः खड्गजनीयाः रतियास्याः उंस
नखदागः चतुस्रं कवृधमनकः पितृकाकाधधकवृ ॥ उलूका
धधमा ॥ धधनाधधनका ॥ सुकलाधधपीता ॥ यमदोनिद्वध
पिता ॥ यमदुनिपितनका ॥ यमद्विधनकाधधमा ॥ यममर्थनिध

मकवृ ॥ ॐ सरनिसरनिद्वद्व ॥ गद्वरद्वद्व ॥ गद्रापयद्वद्वद्व ॥
उं आनयद्वरगवनः विद्यानाजद्वद्व ॥ गगाजाकाधधलैः कावनः
सूर्यमधुलैः ॥ तन्मधुदूकालनः विधधवजं दूकालाधिधितं ॥ त
दक्षिनायः ॥ मरुतपमानः वजकक्षिकावृधः वधगगवजम
पिरमिं विराय ॥ ॐ मदिनीवजीतवः वजवधव ॥ उवजपाका

वदूँखदूँ॥ उँवजपंजलदूँपेंदूँ॥ उँवजविमानदूँखंदूँ॥ उँवजमन
 जालगंमं॥ उँवजहालानवाकूँदूँ॥ दूँकालअष्टदिग्ग्याकालस
 निकृषनिवहितिमान॥ ॐ ह्रीं दिवी घ्रां ॥ हृदयकोत्रयं॥ उँघंघ
 घाटयंरसर्वदक्षानेदूँरुद॥ उँकिलयंरसर्वपापानेदूँरुद॥ उँव
 जकिलयवजधनाआहापयंमि॥ सर्वविघ्नविनायकोन्कायवा

१५३

केचिरुवजाकीलयदूँरुद॥ उँवजमंगलवजकिलयआकाट
 यदूँरुद॥ ॐ मिनिविघ्नां वयं॥ ॥ नमोस्वदुदयसु॥ ॐ का
 लवामिरिऊंमदधंरुत्वाअकनिष्ठुवनंगत्वा॥ नमोअष्टदिग्ग्या
 सिद्धि॥ श्रीचक्रसंम्वलंलगवन्नलगवति॥ समापन्नं समाधुलयेप
 ॥ ॐ नमोहृदि॥ नमोमालारि॥ नमोहृद्वानचक्रं॥ आकाशदहाद

स्वाः ज्जलिमुखः सरिसंयुक्तः समनसमयमस्तु लपुविश्व ॥ समवर्जित
 त्यमनामयिरि ४ पूजा दविपूजयत ॥ ॥ रूं रूं रूं ॥ याथादिगय
 ॥ उं श्रीवज्रहृदयः प्रवसस्कायः याथादिजचमनः प्रारुमहीः प्र
 मिकृष्टादा ॥ ॥ ज ४ रूं वदा ४ ॥ ॥ धनमस्तुलसस्कावाय ॥ उं श्रीव
 जहृदयः कूं रूं रूं रूं जकिनी जालसंमलं स्वादा ॥ उं ४ रूं रूं रूं रूं

रूं ॥ उं उं उं सर्ववृद्धजकिनीयवज्रवर्धनीयवज्रवैलाचनीय
 रूं रूं रूं रूं रूं स्वादा ॥ उं जकिनीय रूं रूं रूं ॥ उं लामनिय रूं रूं
 रूं ॥ उं रूं रूं रूं रूं रूं रूं ॥ उं वृषीनीय रूं रूं ॥ ४ ॥ वगुदय
 ॥ उं वाधिविक्रमगला रूं रूं रूं ॥ वगुका ॥ ४ ॥ उं कवरपच
 रूं रूं रूं ॥ उं कवरवज्रविषय रूं रूं रूं ॥ उं वधरपरा मगि

नियं दू दू दू ॥ उं किलि र म हा व ल दू दू दू ॥ उं णि वि र म हा व ल दू
दू दू ॥ उं धि वि र च क व रि नि यं दू दू दू ॥ उं दि वि र म हा द वि
यं दू दू दू ॥ ॥ ऋ नि का य च क स्य ॥ ८ ॥ उं का का ष्ठा दू दू ॥ उं
उ ल का ष्ठा दू दू ॥ उं स्वा ना ष्ठा दू दू ॥ उं मू क ला ष्ठा दू दू ॥ ऋ नि च यु
दा व ॥ ४ ॥ उं य म दा नि यं दू दू ॥ उं य म दू नि यं दू दू ॥ उं य म

अं ३

दंष्ट्रि यं दू दू ॥ उं य म म ध नि यं दू दू ॥ ४ ॥ ऋ नि वि दि गा ॥
० ॥ उं चं लु य हा य स्वा हा ॥ उं ग हा ना य स्वा हा ॥ उं णा ली क ला य स्वा
हा ॥ उं क वं क रे व वा य स्वा हा ॥ उं दू दू हा णा य स्वा हा ॥ उं ल द्दि म व न दू
ता स ना य स्वा हा ॥ उं धा ली ध का वा य स्वा हा ॥ उं किलि किला व वा य
स्वा हा ॥ ॥ ऋ नि प त्रि क र्म नं य च य हा न पू जा या य ॥ ॥

वाउहाला॥ उं वज वि न दू ॥ उं वज वं ॥ उं वज म दं ॥ उं
वज म न ज ॥ उं वज ल ॥ उं वज म ल ॥ उं वं गी ग ॥ उं व
ज नी ल ॥ उं वज प ॥ उं वज ध ॥ उं वज व ल की ग ॥
॥ उं वज गं ध ॥ उं वज द ॥ उं व ॥ उं व ॥
॥ उं ध म धा गु व ज ॥ ॥ ध म वा द न ॥ उं वा हा ॥ उं वा

॥ वा हा ॥ ध म ॥ उं वज स त्व सं त्या दि ॥ ॥ फु ति ॥ सर्व ह्नु हान स
दा हं जग द र्थ प्र सा द कं ॥ चि ना म ॥ वि यो ह नं ॥ श्री स म्ब ल न
मा मु क्त ॥ वा फी वि ष्णु म हा ह्नु नं स र्वा म धि स वा रु तं क या का
ध म हा नो दं ॥ श्री स म्ब ल न मा मु क्त ॥ कि न न ॥ ॥ ध न म ल प्र य
न ॥ उं न मा र ग व न वी न वी न ष्ण वा य दू दू दू ॥ उं न मा म हा क ल्या

मिः सति राय दूंदूदूदू ॥ उंन मा ज ठ म क द क ट य दूंदूदूदू ॥ उंन
 मा ड क क ना लो लि म रा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा स दू दू दू ज ठ ग ज
 वा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा प न ठु पा ह म दू ग म ल ख दू ग ध मि दू दू
 दूदूदू ॥ उंन मा वा घ व मी व न ध वा य दूंदूदूदू ॥ उंन मा म हा ध
 मा ध को य य प् पा य दूंदूदूदू ॥ ॥ पा प द स ध म या य ॥ न गा पा

पद ङा नां क त का वि त म नू मा दि त म घ म रि व मि दि त दा वा ना
 प मि द ङा या मि प् न त प न न य लः स व ल वि धि धा ङा व क ख कू
 ङि ना ल म ङ ङि न स स र गा नि क ङा ला नि ङ नू मा दि का
 नि वा धो स म य क य वे ङा म या मी ङि न न ला नी नू मि उ य ङ
 न धी या ग मा मि स र व न वा धो वि ल वि ध ध ङ नू ल य मा

